प्रकाशनार्थ

23 मार्च, 2025 गोरखपुर

अमर बलिदानी स्वर्गीय भगत सिंह जी राजगुरू एंव सुखदेव जी के बलिदान दिवस के अवसर पर गुरू श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष में एक वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

आभासी रूप से ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अवधेश अग्रवाल ने बताया कि मात्र 23 साल की उम्र में देश के लिए अमर होने वाले तीनों क्रांतिकारी वीर भी थे। भगत सिंह के लिए क्रांति का अर्थ अन्याय से पैदा हुए हालात को बदलना था। जिस दिल में देश के लिए मर.मिटने का जज्बा होगा। उस दिल में इन तीन वीरों का नाम होगा। उन्होंने यह भी बताया कि युवाओं में रक्तदान को लेकर बहुत सारी भ्रांतिया दूर हो रही हैं और वह अब रक्तदान के प्रति जागरूक हो गए हैं, स्वयं भी रक्तदान कर रहे हैं और लोगों को प्रेरित भी करते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित चिकित्यालय के निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दिक्षित ने उन वीरों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किए तथा उन्होंने बताया कि भगत सिंह ने क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा दी। उनका तत्कालीन लक्ष्य ब्रिटिश साम्राज्य का विनाश करना था। ऐसे काल में जब गांधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ही देश की स्वतंत्रता के लिए एक मात्र विकल्प के रूप में प्रस्तुत किये जा रहे थे तब अपनी दूरदर्शिता और संकल्प के कारण राष्ट्रीय आंदोलन के दूसरे नेताओं से हटकर जाने जानेवाले भगत सिंह एक नयी सोच के साथ एक दूसरे विकल्प के रूप में उभर कर देश के सामने आये।

इस अवसर पर उपस्थित ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. ममता जयसवाल भी उपस्थित रही। उन्होंने रक्तदाताओं को रक्तदान से संबंधित आवश्यक जानकारीयों एंव सावधानियों से अवगत कराया। उनकी उपस्थिति से रक्त दाताओं में भारी उत्साह वर्धन हुआ तथा रक्तदान के संबंध में अनावश्यक भ्रांतियों को भी दूर किया गया।

आज के रक्तदान शिविर में राजेश कुमार, जोगेन्द्र यादव, करन, विकाश, दीपक कुमार, संजय गुप्ता के साथ लगभग 26 लोगों ने रक्तदान किया।

इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में ब्लड बैंक अधिकारी, टेक्निशियन एवं कर्मचारीयों का महत्वपुर्ण योगदान रहा।